B.M.A COLLEGE , BAHERI,DARBHANGA
(A CONSTITUENT UNIT OF LNMU)
BA DEGREE-2
HISTORY (SUB./GEN.)
UNIT-5(B)
DEPARTMENT OF HISTORY
PANKAJ KR.MISHRA
DATE-01/10/2020

TOPIC- बिहार में भारत छोड़ो आंदोलन(1942 ई.)

{(QUIT INDIA MOVEMENT (1942 AD) IN BIHAR}

Part-2

Scanned with CamScanner

बिहार में भारत छोड़ो आंदोलन, भाग-2

पटना सचिवालय गोलीकांड में शहीद सात छात्र :-

1. शहीद उमाकांत प्रसाद सिंह
2. शहीद रामानंद सिंह
3. शहीद सतीश प्रसाद झा
4. शहीद जगपति कुमार
5. शहीद देवीपद चौधरी
6. शहीद राजेन्द्र सिंह
7. शहीद रामगोविन्द सिंह

11 अगस्त के सचिवालय गोलीकांड के छात्रों की शहादत ने पूरे बिहार में स्वतंत्रता आंदोलन में एक नई जान फूंक दी। इसकी लपटें पूरे बिहार में फैल गई और बड़े पैमाने पर रेल, संचार, सरकारी कार्यालयों को नुकसान पहुँचाया गया। आक्रोश की लहर लंबे समय तक रही। पूरे बिहार में दमन चक्र चलती रही। पटना को सैनिक छावनी के रूप में तब्दील कर दिया गया। आने-जाने वालों से पहचान पत्र मांगा जाने लगा।

पटना के आस-पास के उपनगरों - बिहटा, बख्तियारपुर, खगौल, मनेर, फतुहा दानापुर, मसौढ़ी, नौबतपुर, विक्रम आदि में भी पटना की तरह ही आंदोलनकारियों ने उग्र आंदोलन किया। मनेर, नौबतपुर और मसौढ़ी में पुलिस की गोली से कई आंदोलनकारी मारे गए। हजारों आंदोलनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। योगी, सर्चलाइट, राष्ट्रवाणी, नवशक्ति आदि समाचारपत्रों पर कई तरह के अंकुश लगा दिए गए। सर्चलाइट तथा योगी के संपादक मुरली मनोहर प्रसाद और ब्रजशंकर वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया।

22 अगस्त 1942 ई० तक 353 आंदोलनकारी गिरफ्तार किए जा चुके थे। बाद के क्रम में इसकी संख्या बढ़ गई। पटना बिहार का केंद्रीय स्थान थी; सभी बड़े नेता गिरफ्तार हो चुके थे। इसलिए बिहार में चल रहे आंदोलन को सुचारु रूप से संचालन के लिए गुप्त स्थानों से संचालित किया जाता रहा था।

Pankaj
01/10/2020

Scanned with CamScanner